

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन सहायक कलक्टर, बालेसर

पीठासीन अधिकारी :- श्री भवानी सिंह, आर.ए.एस.

मुकदमा नम्बर 54/2023

जी.सी.एम.एस. पोर्टल नम्बर 2023/138

अपीलान्त

1. तीजोदेवी पुत्री मंगनाराम पत्नी बिडदाराम निवासी ढाढणिया बरडा तहसील बालेसर जिला जोधपुर हाल निवासी मा सतीनगर तहसील सेखाला जिला जोधपुर

बनाम

रेस्पोंडेन्ट्स

1. प्रहलादराम पुत्र मंगनाराम फौत कायम मुकाम
1/1 मूली पत्नी प्रहलादराम
1/2 मुन्नाराम पुत्र प्रहलादराम
2. चन्द्राराम पुत्र प्रहलादराम फौत कायम मुकाम
2/1 श्याम पुत्र चन्द्राराम
2/2 पारुदेवी पत्नी चन्द्राराम
3. लुम्बाराम पुत्र मंगनाराम फौत
3/1 चौथाराम पुत्र लुम्बाराम
3/2 देवाराम पुत्र लुम्बाराम
3/3 खरताराम पुत्र लुम्बाराम
4. करनाराम पुत्र मंगनाराम
5. बैनाराम पुत्र मंगनाराम फौत कायम मुकाम
5/1 कमा पुत्री बैनाराम
5/2 तारो पत्नी बैनाराम
6. चैनाराम पुत्र मंगनाराम
7. रुकमादेवी पत्नी मंगनाराम समस्त निवासी ढाढणिया बरडा तहसील बालेसर सरपंच ग्राम पंचायत ढाढणिया सांसण तहसील बालेसर जिला जोधपुर



अपील अन्तर्गत धारा 75 राजस्थान भू. राजस्व अधिनियम विरुद्ध
ग्राम पंचायत ढाढणिया सांसण नामान्तरकरण संख्या 37 दिनांक 20.10.2008
के विरुद्ध अपील

अधिवक्तागण :-

1. अपीलान्त अधिवक्ता श्री लुम्बाराम चौधरी।
2. रेस्पोंडेन्टगण 1 से 8 अनुपस्थित एक पक्षीय कार्यवाही।

-:: निर्णय ::-

दिनांक :- 02/12/2024

पत्रावली प्रस्तुत हुई। अपीलान्त अधिवक्ता द्वारा एक म्यूटेशन अपील अन्तर्गत धारा 75 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम, 1956 का पेश किया था जिसके संक्षेप में तथ्य इस प्रकार हैं-

अपीलान्त की पुस्तैनी पैतृक कृषि भूमि जालमनगर पटवार हल्का ढाढणिया भायला तहसील बालेसर जिला जोधपुर के खसरा नम्बर 129 रकबा 32.00 बीघा स्थित है। उक्त भूमि मंगनाराम पुत्र उर्जाराम के नाम एकल खातेदारी मे दर्ज थी जो भूमि अपीलान्त के पिता स्व.

24
उपखण्ड अधिकारी,
बालेसर

मंगनाराम का स्वर्गवास होने के बाद अपीलाधीन नामान्तरकरण संख्या 37 ग्राम पंचायत ढाढणिया सांसण पंचायत समिति बालेसर द्वारा विधि विरुद्ध तरीके स्वीकृत किया गया है। अपीलान्त मृतक मंगलाराम की पुत्री है तथा प्रथम श्रेणी की वारिसान है। पुत्री के सम्बन्ध में अधीनस्थ न्यायालय द्वारा किसी प्रकार की जाँच नहीं की गई। स्व. मंगनाराम की अन्य भूमि ग्राम गोकलनगर पटवार हल्का उदयसर में स्थित है जिसके खसरा नम्बर 33, 34, 36, 40 है जिसमें अपीलान्त का नाम राजस्व रेकर्ड में दर्ज है। अपीलान्त द्वारा उक्त नामान्तरकरण को अपास्त करने हेतु अनुरोध किया गया है।

अपील के साथ अपीलान्त अधिवक्ता द्वारा प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 05 म्याद अधिनियम प्रस्तुत किया गया जिसमें अपीलान्त ने निवेदन किया है कि अपीलान्त अनपढ महिला है अपीलान्त को यह जानकारी थी की भाईयो के साथ अपीलान्त का नाम भी दर्ज हो गया है परन्तु दर्ज नहीं किया गया। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित नामान्तरकरण की नकल दिनांक 12.05.2023 को प्राप्त होने के बाद उक्त अपील अन्दर म्याद प्रस्तुत है। दिनांक 12.05.2023 को जानकारी होने पर उक्त अपील को अन्दर म्याद सुमार करवाया जावे।

अपील दर्ज रजिस्टर किया जाकर रेस्पोजेन्टगणों को नोटिस जारी किया गया। रजिस्टर ए.डी की रसीदे शामिल मिसल है। रेस्पोजेन्टगण को न्यायालय में उपस्थित होने हेतु अवसर दिये जाने के बावजूद रेस्पोजेन्ट संख्या 1 से 8 उपस्थित नहीं होने पर एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लाई गई।

पत्रावली में बहस की गई। बहस सूनी गई। अपीलान्त अधिवक्ता द्वारा बहस के दौरान अपील में अंकित तथ्यों को दौहराया गया। हमने उक्त पत्रावली का अवलोकन किया। अपीलान्त द्वारा अपनी अपील के संलग्न धारा 05 म्याद का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया है जिसका अवलोकन किया गया। जिसमें अपीलान्त द्वारा यह अंकित किया गया है कि अपीलान्त को राजस्व रेकर्ड की सर्वप्रथम जानकारी दिनांक 12.05.2023 को हुई। अतः प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्त के आधार पर अपीलान्त का धारा 05 म्याद प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है और उक्त अपील को अन्दर म्याद सुमार किया जाता है।

पत्रावली का अवलोकन किया गया एवं बहस पर मनन किया गया। अपीलाधीन नामान्तरकरण का अवलोकन करने से यह प्रतीत होता है कि स्व. मंगनाराम के विधिक वारिसों की बिना जाँच किये अपीलाधीन नामान्तरकरण पारित किया गया है। अपीलान्त नामान्तरकरण में स्व. मंगनाराम की पुत्री का नाम भी दर्ज किया जाना चाहिए था। अधीनस्थ न्यायालय (ग्राम पंचायत) द्वारा पारित अपीलाधीन नामान्तरकरण संख्या 37 दिनांक 20.10.2008 प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्तों के मध्यनजर विधि विपरित होने के कारण न्यायसंगत प्रतीत नहीं होता है जो बहाल रखे जाने योग्य नहीं है।

अतः अपील अपीलान्तगण की स्वीकार की जाकर ग्राम पंचायत ढाढणिया सांसण द्वारा स्वीकृत नामान्तरकरण 37 दिनांक 20.10.2008 मौजा जालमनगर को अपास्त किया जाकर तहसीलदार बालेसर को इस आशय के साथ रिमाण्ड किया जाता है कि वो इस प्रकरण में मंगनाराम के प्रथम श्रेणी के विधिक वारिसों की जांच करते हुए पुनः नामान्तरकरण भरने की कार्यवाही करें। आदेश की प्रति तहसीलदार बालेसर को प्रेषित होकर पत्रावली फैसल सुमार होकर नम्बर से कम हो। खर्चा पक्षकारन अपना-अपना वहन करे।

फैसला आज दिनांक 21/2/24 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय मोहर से जारी किया



21
(भवानी सिंह)
पीएसडी अधिकारी
एवं उपखण्ड अधिकारी,
बालेसर